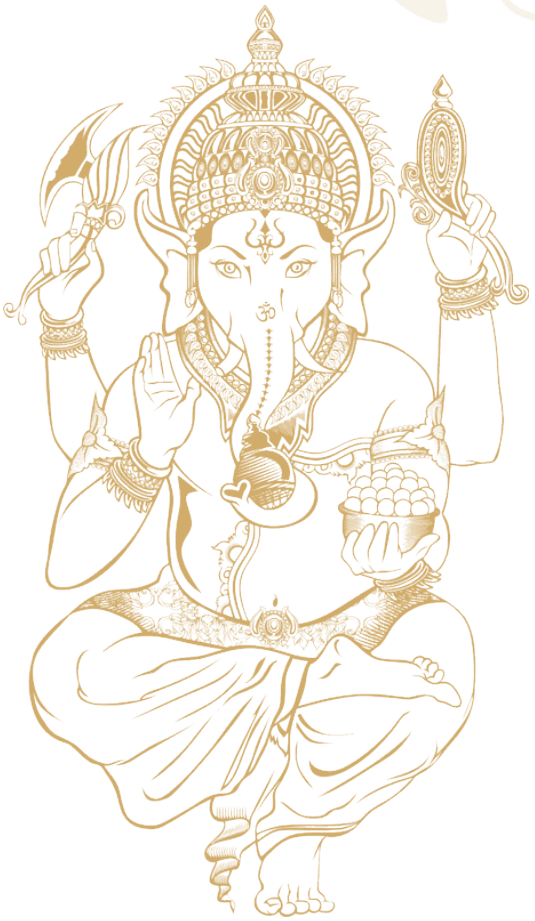

???? ????? ????

02 Aug 2013

07:20 PM

Malkapur

Model: web-FreeVarshphal **Order No: 121032105**

स्त्रीलिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
02/08/2013	जन्म तिथि	**2-03/08/2026**
शुक्रवार	दिवस	रवि–सोमवार
कला 19:20:00	जन्म समय	03:10:50 कला
घटी 33:21:41	जन्म समय(घटी)	52:58:54 घटी
India	देश	India
Malkapur	स्थान	Malkapur
उत्तर 20:52:00	अक्षांश	20:52:00 उत्तर
पूर्व 76:18:00	रेखांश	76:18:00 पूर्व
पूर्व 82:30:00	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
कला -00:24:48	स्थानिक संस्कार	-00:24:48 कला
कला 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 कला
05:59:19	सूर्योदय	05:59:16
19:02:52	सूर्यास्त	19:02:26
24:03:02	लाहिरी अयनांश	24:13:52

मकर	लग्न	मिथुन
शनि	लग्न लग्नाधिपति	बुध
वृषभ	राशि	मीन
शुक्र	राशि–स्वामी	गुरु
मृगशिरा	नक्षत्र	उ.भाद्रपद
मंगळ	नक्षत्र स्वामी	शनि
2	चरण	1
व्याघात	योग	सुकर्मा
कौलव	करण	कौलव
वो–व्योम	जन्म नामाक्षर	दू–दूती
सिंह	सूर्य राशि(पाश्चात्य)	सिंह
वैश्य	वर्ण	विप्र
चतुष्पाद	वश्य	जलचर
सर्प	योनि	गौ
देव	गण	मनुष्य
मध्य	नाड़ी	मध्य
मृग	वर्ग	सर्प
13	गत / तत्कालिक वर्ष	14

जन्म – विवरण

नक्षत्र	पद	अंश	राशि	व	अ
श्रवण	4	22:22:40	मक		
पुष्य	4	16:22:44	कर्क		
मृगशिरा	2	28:44:09	वृष		
आर्द्रा	4	19:20:44	मिथु		
पुनर्वसु	3	27:14:26	मिथु		
आर्द्रा	3	14:15:49	मिथु		
पू.फाल्गुनी	2	19:11:43	सिंह		
स्वाति	2	11:17:24	तुला		
स्वाति	4	18:46:24	तुला	व	
भरणी	2	18:46:24	मेष	व	
रेवती	1	18:22:16	मीन	व	

वर्ष – विवरण

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	पद	नक्षत्र
लग्न			मिथु	08:04:13	1	आर्द्रा
सूर्य			कर्क	16:22:44	4	पुष्य
चंद्र			मीन	06:21:07	1	उ.भाद्रपद
मंगळ			मिथु	00:07:17	3	मृगशिरा
बुध			मिथु	26:59:38	3	पुनर्वसु
गुरु		अ	कर्क	13:09:07	3	पुष्य
शुक्र			कन्या	01:47:45	2	उ.फाल्गुनी
शनि	व		मीन	20:28:34	2	रेवती
राहु			कुंभ	05:37:23	4	धनिष्ठा
केतु			सिंह	05:37:23	2	मघा
मु			कुंभ	22:22:40	1	पू.भाद्रपद

व – वक्री स – स्थिर
अ – अस्त पू – पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

लाहिरी अयनांश : 24:13:52

लग्न–चलित

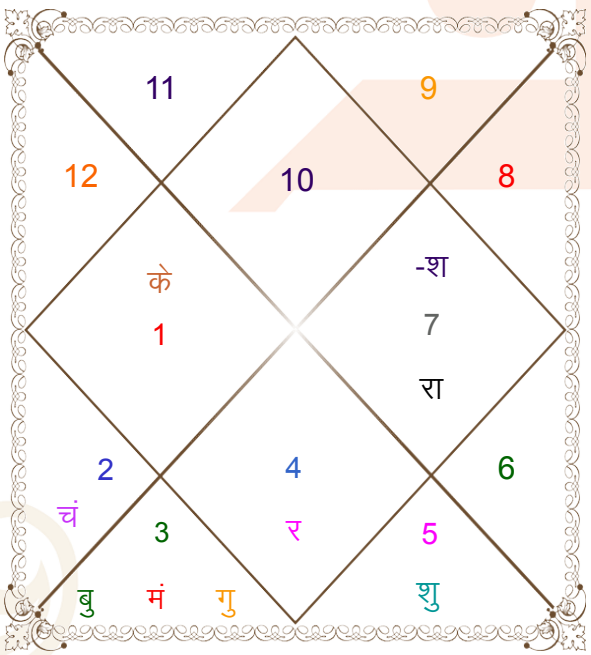

वर्ष लग्न कुंडली

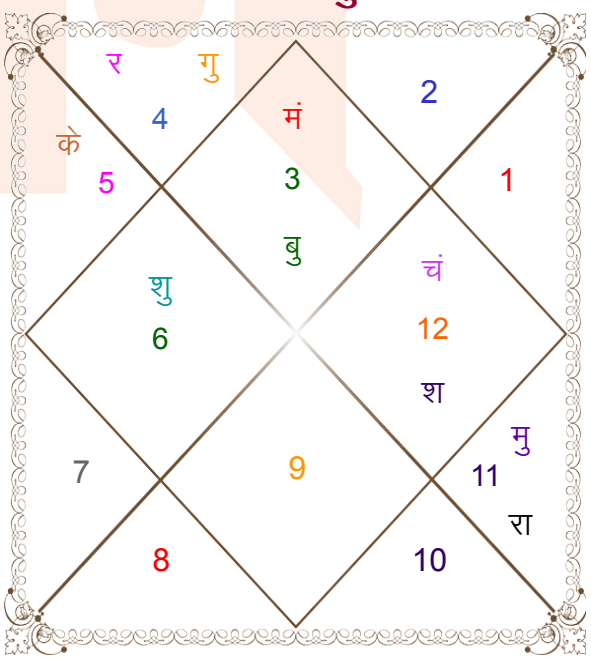

विंशोत्तरी दशा - सूक्ष्म

राहु - बुध - केतु	
23/01/2026 06:11	
18/03/2026 14:07	
केतु	26/01/2026 10:15
शुक्र	04/02/2026 11:34
सूर्य	07/02/2026 04:46
चंद्र	11/02/2026 17:26
मंगळ	14/02/2026 21:29
राहु	23/02/2026 01:05
गुरु	02/03/2026 06:56
शनि	10/03/2026 21:24
बुध	18/03/2026 14:07

राहु - बुध - शुक्र	
18/03/2026 14:07	
20/08/2026 19:40	
शुक्र	13/04/2026 11:03
सूर्य	21/04/2026 05:20
चंद्र	04/05/2026 03:47
मंगळ	13/05/2026 05:07
राहु	05/06/2026 11:57
गुरु	26/06/2026 04:41
शनि	20/07/2026 18:34
बुध	11/08/2026 18:21
केतु	20/08/2026 19:40

राहु - बुध - सूर्य	
20/08/2026 19:40	
06/10/2026 09:20	
सूर्य	23/08/2026 03:33
चंद्र	27/08/2026 00:42
मंगळ	29/08/2026 17:54
राहु	05/09/2026 17:33
गुरु	11/09/2026 22:34
शनि	19/09/2026 07:32
बुध	25/09/2026 21:52
केतु	28/09/2026 15:04
शुक्र	06/10/2026 09:20

राहु - बुध - चंद्र	
06/10/2026 09:20	
23/12/2026 00:07	
चंद्र	12/10/2026 20:34
मंगळ	17/10/2026 09:14
राहु	29/10/2026 00:39
गुरु	08/11/2026 09:01
शनि	20/11/2026 15:57
बुध	01/12/2026 15:51
केतु	06/12/2026 04:31
शुक्र	19/12/2026 02:59
सूर्य	23/12/2026 00:07

राहु - बुध - मंगळ	
23/12/2026 00:07	
15/02/2027 08:03	
मंगळ	26/12/2026 04:11
राहु	03/01/2027 07:46
गुरु	10/01/2027 13:38
शनि	19/01/2027 04:05
बुध	26/01/2027 20:49
केतु	30/01/2027 00:52
शुक्र	08/02/2027 02:12
सूर्य	10/02/2027 19:24
चंद्र	15/02/2027 08:03

राहु - बुध - राहु	
15/02/2027 08:03	
05/07/2027 01:03	
राहु	08/03/2027 07:00
गुरु	26/03/2027 22:04
शनि	18/04/2027 00:58
बुध	07/05/2027 19:58
केतु	15/05/2027 23:34
शुक्र	08/06/2027 06:24
सूर्य	15/06/2027 06:03
चंद्र	26/06/2027 21:28
मंगळ	05/07/2027 01:03

राहु - बुध - गुरु	
05/07/2027 01:03	
06/11/2027 05:29	
गुरु	21/07/2027 14:27
शनि	10/08/2027 06:21
बुध	27/08/2027 20:35
केतु	04/09/2027 02:26
शुक्र	24/09/2027 19:10
सूर्य	01/10/2027 00:12
चंद्र	11/10/2027 08:34
मंगळ	18/10/2027 14:26
राहु	06/11/2027 05:29

राहु - बुध - शनि	
06/11/2027 05:29	
01/04/2028 16:46	
शनि	29/11/2027 13:53
बुध	20/12/2027 11:16
केतु	29/12/2027 01:44
शुक्र	22/01/2028 15:37
सूर्य	30/01/2028 00:34
चंद्र	11/02/2028 07:31
मंगळ	19/02/2028 21:58
राहु	13/03/2028 00:52
गुरु	01/04/2028 16:46

राहु - केतु - केतु	
01/04/2028 16:46	
24/04/2028 01:41	
केतु	03/04/2028 00:05
शुक्र	06/04/2028 17:34
सूर्य	07/04/2028 20:25
चंद्र	09/04/2028 17:10
मंगळ	11/04/2028 00:29
राहु	14/04/2028 09:01
गुरु	17/04/2028 08:36
शनि	20/04/2028 21:37
बुध	24/04/2028 01:41

राहु - केतु - शुक्र	
24/04/2028 01:41	
26/06/2028 23:44	
शुक्र	04/05/2028 17:21
सूर्य	07/05/2028 22:04
चंद्र	13/05/2028 05:54
मंगळ	16/05/2028 23:23
राहु	26/05/2028 13:29
गुरु	04/06/2028 02:02
शनि	14/06/2028 04:55
बुध	23/06/2028 06:15
केतु	26/06/2028 23:44

राहु - केतु - सूर्य	
26/06/2028 23:44	
16/07/2028 03:57	
सूर्य	27/06/2028 22:45
चंद्र	29/06/2028 13:06
मंगळ	30/06/2028 15:56
राहु	03/07/2028 12:58
गुरु	06/07/2028 02:20
शनि	09/07/2028 03:12
बुध	11/07/2028 20:24
केतु	12/07/2028 23:15
शुक्र	16/07/2028 03:57

राहु - केतु - चंद्र	
16/07/2028 03:57	
17/08/2028 02:58	
चंद्र	18/07/2028 19:52
मंगळ	20/07/2028 16:37
राहु	25/07/2028 11:40
गुरु	29/07/2028 17:56
शनि	03/08/2028 19:23
बुध	08/08/2028 08:02
केतु	10/08/2028 04:47
शुक्र	15/08/2028 12:37
सूर्य	17/08/2028 02:58

अथ वर्षेशफलम्

वर्ष कुण्डली में जन्म लग्नेश, वर्ष लग्नेश, मुन्थेश, त्रिराशिपति एवं दिवारात्रिपति में से जो सबसे बलवान हो तथा लग्न पर दृष्टि रखता हो, वर्षेश कहलाता है। इसका अपना विशिष्ट महत्व होता है। यह अपने शुभाशुभत्व से वर्ष के समस्त शुभ एवं महत्वपूर्ण घटनाओं को प्रभावित करता है क्योंकि यह वर्ष पंचाधिकारयों में बलवान तथा लग्न पर प्रभाव रखता है अतः इसकी स्थिति अन्य समस्त ग्रहों से प्रबल हो जाती है तथा अधिकाँश शुभाशुभ फल इसी के प्रभाव से प्राप्त होते हैं। पूर्णबली होने से सम्पूर्ण वर्ष में शुभ फल प्राप्त होते हैं, मध्यबली होने से शुभाशुभ मिश्रित फल तथा हीन बली होने से अनिष्ट फल अधिक मात्रा में प्राप्त होते हैं। यथाः-

वर्षेश्वरो भवति यः स दशाधिपेऽब्दे।
ज्ञेयोऽखिलेऽब्दजनुषोर्बलमस्य चिन्त्यम्।।

वीर्योन्वितेऽत्र निखिलं शुभमब्दमाहुः।
हीनेत्वानिष्टफलता समता समत्वे।।

-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-

शारीरिक स्वास्थ्य की दृष्टि से यह वर्ष आपके लिए उत्तम रहेगा तथा अपने समस्त शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्यो को आप उत्साह तथा परिश्रम से सम्पन्न करेंगे। साथ ही इनमें आपको इच्छित सफलता भी प्राप्त होगी। मानसिक रूप से भी आपकी स्थिति अच्छी रहेगी तथा मन में प्रसन्नता की आप अनुभूति करेंगे। इस समय समाज में आप एक गुणवान पुरूष के रूप में समझे जाएंगे तथा सभी लोग आपको वांछित मान सम्मान प्रदान करेंगे। साथ ही समाज में आपकी प्रतिष्ठा तथा यश में अभिवृद्धि होगी। धर्म के प्रति आपके मन में इस समय श्रद्धा का भाव रहेगा तथा यत्न पूर्वक धार्मिक कार्य कलापों का अनुपालन करते रहेंगे। इस समय आप कुएं या बगीचे आदि का निर्माण भी कर सकते है। समस्त भौतिक सुख संसाधनों की इस समय आपको प्राप्ति होगी तथा प्रसन्नता पूर्वक इनका उपभोग करेंगे। इस वर्ष में आपको भूमि या जमीन जायदाद संबंधी लाभ होगा तथा सुन्दर आवास स्थान के प्राप्ति के भी योग बनेंगे।

व्यापारिक तथा कार्य क्षेत्र में उन्नति की दृष्टि से वर्ष शुभ एवं अनुकूल रहेगा। इस समय व्यापार में उन्नति तथा विस्तार होगा तथा लाभ मार्ग भी प्रशस्त रहेंगे नौकरी या राजनीति के क्षेत्र में आपको किसी महत्वपूर्ण पद की प्राप्ति होगी तथा सभी लोग आपके पराक्रम तथा प्रभाव को स्वीकार करेंगे। आर्थिक स्थिति इस समय आपकी सुदृढ़ रहेगी तथा प्रचुर मात्रा में धन एवं लाभ अर्जित होगा। साथ ही आय स्रोतों में भी वृद्धि होगी । इस समय विदेशियों से अथवा अन्य भौतिक कार्यो से आप विशिष्ट धन अर्जित करने में समर्थ रहेंगे। साथ ही सेवक वर्ग का भी पूर्ण रूप से सुख प्राप्त होगा अतः यह वर्ष आपके लिए शुभ तथा सौभाग्य शाली रहेगा।

अथ मुंथाफलम्

जन्म के प्रथम वर्ष में लग्न ही मुंथा होती है और प्रतिवर्ष एक एक राशि बढ़ती है। अतः गत वर्ष संख्या में जन्म लग्न जोडे से तथा 12 से भाग देने पर शेषांक मुंथा की वर्तमान राशि होती है। मुंथा प्रतिमाह ढाई अंश तथा प्रतिदिन पाँच कला बढ़ती जाती है। यदि मुंथा शुभ ग्रह व अपने स्वामी से युक्त या दृष्ट हो अथवा शुभ ग्रह या अपने स्वामी के साथ इत्यशाल करे तो शुभ फल की वृद्धि कर अशुभ फल का नाश करती है। यथाः-

शुभस्वामियुक्तेक्षितावीर्ययुक्तेन्थिहास्वामिसौम्येत्थशालं प्रपन्ना।
शुभं भावजं पोषयेन्नाशुभं साऽन्यथाभाव ऊह्यो विभृश्य।।

-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-

इस वर्ष में आपका शारीरिक तथा मानसिक स्वास्थ्य उतम रहेगा तथा सुख एवं प्रसन्नता पूर्वक आप अपना अधिकांश समय व्यतीत करेंगी।साथ ही आपके सभी सांसारिक महत्व के शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य उत्साह तथा परिश्रम से सम्पन्न होंगे। इस समय आपके समस्त कार्य बुद्धिमता से सम्पन्न होंगे तथा लोग आपकी बुद्धि से प्रभावित रहेंगे। धर्म तथा धार्मिक कार्यों में भी इस समय आप पूर्ण रूप से प्रवृत रहेंगी तथा विधिपूर्वक इनको सम्पन्न करेंगी। इसके साथ ही देवता एवं ब्राहमणों की भी आप श्रद्धा पूर्वक पूजा तथा सेवा करेंगी। संतति पक्ष से इस समय आपको पूर्ण लाभ तथा सहयोग प्राप्त होगा तथा अपने अपने कार्य क्षेत्र में वे पूर्ण सफलता तथा उन्नति प्राप्त करेंगे ।साथ ही इस समय पुत्र संतति की प्राप्ति की भी संभावना रहेगी। इस समय आपके आय स्रोतों में वृद्धि होगी तथा प्रचुर मात्रा में लाभ एवं धनार्जन होता रहेगा फलतः आर्थिक स्थिति सुदृढ़ रहेगी।

व्यापारिक तथा कार्य क्षेत्र में उन्नति के लिए वर्ष शुभ एवं अनुकूल रहेगा। साथ ही आपके सौभाग्य में भी वृद्धि होगी अतः रुके हुए कार्य पूर्ण होंगे एवं महत्वपूर्ण कार्यो में भी आपको सफलता प्राप्त होगी। नौकरी या राजनीति में आपके वरिष्ठ अधिकारी या नेता आपसे प्रसन्न रहेंगे जिससे आपको महत्वपूर्ण लाभ की प्राप्ति हो सकती है। साथ ही इनसे आपको उचित सहयोग तथा लाभ भी प्राप्त होता रहेगा एवं आपके यश में भी अभिवृद्धि होगी।इसके अतिरिक्त पति, पुत्र, मित्र तथा संबधियों आदि से भी आपको पूर्ण लाभ एवं सहयोग मिलेगा तथा प्रसन्नता पूर्वक आप अपना समय व्यतीत करेंगी तथा सुख की अनुभूति करेंगी।